पत्रिका

मानव अधिकारों की शिक्षा जरूरी, जानिए क्या है राइट्स

भारत सोका गक्काई इंटरनेशनल संस्था द्वारा सूरसदन में जीवन का परिवर्तनः मानव अधिकार शिक्षा की शक्ति विषय पर आयोजित की गई प्रदर्शनी

आगरा। मानवाधिकार शिक्षा वो शक्ति है जो हमसे हमारी पहचान कराती हैं। हर व्यक्ति को यह अधिकार है कि उसे खुद से सम्बंधित मानवाधिकारों का जानकारी हो। मानवाधिकार उन मूल्यों, प्रवृत्तियों और व्यवहार के विकास को बढ़ावा देते हैं, जो जनतंत्र एवं कानून आधारित शासन की प्रक्रियाओं का आरम्भ करते हैं। कुछ यही संदेश देते नजर आ रहे थे सूरसदन में आयोजित प्रदर्शनी में लगे 25 पैनल और कहानियां जिनका संग्रह विश्व भर से किया गया।

हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति कैसा जानना जरूरी

भारत सोका गक्काई इंटरनेशनल संस्था द्वारा सूरसदन में जीवन का परिवर्तन मानव अधिकार शिक्षा की शक्ति विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का शुभारम्भ दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के समाज शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि अपने प्रति मानवाधिकारों की जानकारी के साथ यह भी आवश्यक है कि हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति कैसा है। अपनी सामाजिक, व्यवसायिक व पारीवारिक जिम्दारियों को निभाते समय अपने व्यवहार और कर्तव्य का खयाल रखना भी जरूरी है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में एक फिल्म दिखाकर संस्था के बारे में जानकारी देते हुए संदेश दिया गया कि हमारी खुशी तब तक पूरी नहीं होती जब तक कि हम दूसरों की शुशियों में शामिल नहीं होते। संस्था के मैन डिविजन, वीमेन डिविजन, यूथ डिविजन व फ्यूचर डिविजन के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करने का सफल प्रयास किया। संचालन नेहा कक्कड़ ने किया।

जागरण

हमसे हमारी पहचान कराते हैं ह्यूमन राइट्स

जागरण संवाददाता, आगरा: भारत सोका गक्काई इंटरनेशनल संस्था द्वारा रविवार को सूरसदन में आयोजित प्रदर्शनी में मानवाधिकारों (ह्यूमन राइट्स) की जानकारी दी गई। कहा गया कि मानवाधिकार शिक्षा वह शक्ति है जो हमसे हमारी पहचान कराती है। मानव अधिकार, शिक्षा की शक्ति विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का उदघाटन दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के समाज शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा जैन ने किया। संस्था के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मानवाधिकारों के प्रति जागरूक किया। संस्था की पीआर हेड सुमिता मेहता, पूरन डावर, हरविजय सिंह बाहिया, आनंद सूर्य नारायण, वीके कालरा, राजेश लाल, सरिता रतन, मनीष बंसल, रवि अग्रवाल, भारती टंडन, कर्नल मनोहर नायडू, देवेन्द्र ढल, सुशील गुप्ता, राजीव गुलाटी आदि मौजूद थे। संचालन नेहा कक्कड़ ने किया।

Live हिन्दुस्तान .com

सोमवार को डीपीएस में लगी प्रदर्शनी को देखते छात्र छात्राएं। । • हिन्दुस्तान

मानवाधिकार के लिए किया जागरूक

आगरा। देहली पब्लिक स्कूल के शाखीपुरम स्थित परिसर में सोमवार को भारत सोका गक्काई की प्रदर्शनी लगाई गई। मनीष बंसल ने बताया कि यह संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से मानवाधिकार शिक्षा के प्रसार प्रकल्प की पांचवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यह प्रदर्शनी लगाई गई। आने वाले दिनों में जनपद के अन्य स्कूलों में ऐसी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। डीपीएस के प्रिंसीपल आरके पांडे ने बताया कि इस प्रदर्शनी में लगभग 500 छत्र शामिल हुए।

जागरण

जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी प्रदर्शनी

जागरण संवाददाता, आगरा: जिनेवा से पहली बार भारत आई द ट्रांस्फोर्मिंग लाइव्स पॉवर ऑफ़ ह्यूमन राइट्स एजुकेशन विषय पर प्रदर्शनी रविवार को सूरसदन में आयोजित होगी। ये प्रदर्शनी जीवन में सकारात्मक बदलाव की परिभाषा से रूबरू कराएगी। भारत सोका गक्काई (बीएसजी) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का मानव अधिकार शिक्षा की शक्ति पर फोकस होगा।

संस्था की पब्लिक रिलेशन हेड सुमिता मेहता ने प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदर्शनी में मानवाधिकार शिक्षा से प्रेरित लोगों के जीवन परिवर्तन की ऐसी मर्मस्पर्शी कहानियां हैं, जिनका संग्रह विश्वभर से किया गया है। ऑस्ट्रेलिया, बुर्किनो फासो, पेरु, पुर्तगाल एवं तुर्की जैसे देशों के कई प्रेरणाप्रद उदाहरण हैं। मानवाधिकारों के प्रति जागरुकता के लिए जिनेवा में इस प्रदर्शनी को पहली बार भारत लाया गया है। इस दौरान पोस्टर विमोचन भी किया गया। पत्रकार वार्ता में संस्था सदस्य आनंद सूर्य नारायण, वीके कालरा, राजेश लाल, ज्योति लाल, मनीष बंसल, रवि अग्रवाल, तूलिका कपूर आदि मौजूद थे।

बीएसजी संस्था की पब्लिक रिलेशन हेड सुमिता मेहता और अन्य पदाधिकारी प्रदर्शनी के पोस्टर का विमोचन करते हुए

स्कूलों में लगेगी प्रदर्शनी: 16 से 21 अप्रैल तक स्कूलों में सुबह 7:20 से दोपहर दो बजे तक यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए लगेगी। इसके बाद ग्वालियर में 23 से 26 अप्रैल तक इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

'मानवाधिकार की शिक्षा अहम है'

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

मानवाधिकार की शिक्षा अहम है। इससे न सिर्फ मानवाधिकार की जानकारी मिलती है, बल्कि उन मूल्यों, प्रवृत्तियों, कौशलों और व्यवहारों के विकास को बढ़ावा मिलता है, जो मानवाधिकारों के प्रसार एवं समर्थन, जनतंत्र एवं कानून आधारित शासन की प्रक्रियाओं का प्रारंभ करते हैं।

इस संदेश को लेकर भारत सोका गक्काई ने मानवाधिकार की शिक्षा के प्रसार का इरादा लेकर प्रदर्शनी आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे जिनके माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

शुक्रवार को रघुनाथ नगर स्थित रामरघु डवलपवेल के परिसर में सुमिता मेहता ने स्थानीय पदाधिकारियों के साथ इस आयोजन का पोस्टर लांच किया। साथ ही बताया कि लोगों को इस प्रदर्शनी में आस्ट्रेलिया, बुर्किनो फासो, पेरु, पुर्तगाल एवं तुर्की जैसे देशों के कई प्रेरणाप्रद उदाहरण पढ़ने को मिलेंगे। वह लोग यह जान सकेंगे कि जागरूकता एवं शिक्षा के अभाव में मानवाधिकारों कदम कदम पर हनन हो रहा है। शिक्षा व संस्कृति को जरिया बनाकर अपनी सोच को बदलना होगा। मनीष बंसल, आनंद सूर्य नारायण, वीके कालरा, राजेश लाल, ज्योति लाल, रवि अग्रवाल, तूलिका कपूर आदि मौजूद रहे।

शनिवार को रामरघु डवलपवेल में पोस्टर का विमोचन करते समिति के पदाधिकारी।

आज शाम सात बजे तक चलेगी प्रदर्शनी

आयोजकों ने बताया कि सूरसदन परिसर में रविवार सुबह 11 बजे से शाम सात बजे तक प्रदर्शनी देखने का मौका मिलेगा। अगले दिन 16 अप्रैल को दिल्ली पब्लिक स्कूल, शास्त्रीपुरम, 17 अप्रैल को होली पब्लिक स्कूल, कामायनी अस्पताल के सामने, 18 अप्रैल को वजीरपुरा रोड स्थित सेंट पैट्रिक जूनियर कॉलेज, 19 अप्रैल को चर्च रोड स्थित सेंट पॉल्स स्कूल, 20 अप्रैल को सेंट जोर्जेज कॉलेज, बालूगंज, 21 अप्रैल को प्रिल्यूड स्कूल, दयालबाग। इन सभी स्कूलों में प्रदर्शनी का समय सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक रहेगा।

अमर उजाला

प्रदर्शनी में मानवाधिकारों की रक्षा पर बल

भारत सोका गक्काई संस्था की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी

अमर उजाला ब्यूरो

आगरा।

सुरसदन प्रेक्षागृह में रविवार को 'जीवन का परिवर्तन: मानवाधिकार शिक्षा की शक्ति' विषयक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें 25 पैनल और कहानियों के माध्यम से मानवाधिकारों के बारे में जानकारी दी गई।

भारत सोका गक्काई इंटरनेशनल संस्था की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट की समाज शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा जैन ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों की जानकारी के साथ ही यह भी जरूरी है कि दूसरों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा हो। अपनी सामाजिक, व्यवसायिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते समय अपने व्यवहार और कर्तव्य का ख्याल रखना भी जरूरी है। इसके पहले एक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें संस्था के कार्यों की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में दर्शाए गए प्रत्येक पैनल के साथ विषय की जानकारी संस्था के सदस्य दे रहे थे। आज के परिवेश में विद्यालयों में भी ह्यूमन राइट्स की शिक्षा देने पर बल दिया गया है। इसके साथ ही कई देशों की मानवाधिकारों से संबंधित कहानियों को भी दर्शाया गया।

इस मौके पर संस्था की सुमिता मेहता, पूरन डावर, हरविजय वाहिया, आनंद सूर्यनारायण, वीके कालरा, राजेश लाल, सरिता रतन, ज्योति लाल, सुशील गुप्ता, मनीष बंसल, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. अपर्णा पोद्दार, रजत भार्गव, डॉ. विवेक पांडेय, दीपा असवानी, डॉ. पारुल अग्रवाल, मोहित जवेरी आदि मौजूद रहे। संचालन नेहा कक्कड़ ने किया।

डीपीएस में लगेगी प्रदर्शनी

16 अप्रैल को यह प्रदर्शनी शास्त्रीपुरम स्थित डीपीएस विद्यालय में सुबह साढ़े सात से दोपहर दो बजे तक लगाई जाएगी।

Live हिन्दुस्तान.com

भारत सोका गक्काई के आगरा में प्रयास, बिना हथियारों के लड़े गए युद्ध की सुनाई जा रही गाथा

शहरियों के बीच जगा रहे मानवाधिकार की अलख

इनसे सीखें

केस 1

तुर्की में 15 साल की एक लड़की का विवाह उससे दोगुनी उम्र के पुरुष से कर दिया गया। वैवाहिक जीवन के चंद दिनों में ही उस लड़की को जीवन के सबसे बड़े कष्ट का अनुभव हुआ। शारीरिक शोषण के साथ मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। यह लड़की संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार टीम के संपर्क में आई। अथक प्रयासों से उसको तलाक दिलाया गया। शिक्षित किया गया।

केस 2

पुर्तगाल के एक स्कूल में बहुत ही खराब माहौल था। छोटे-छोटे छात्र हथियार लेकर चला करते थे। पढ़ाई के अलावा सभी काम हुआ करते थे। मानवाधिकार टीम ने दहशत में जी रहे कुछ छात्रों को जागरूक किया। इनकी बदौलत शोषण और आतंक के खिलाफ आवाज बुलंद हुई। हालात ऐसे सुधरे कि छात्रों ने स्कूल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना बंद किया।

सूरसदन में रविवार को भारत सोका गक्काई इंटरनेशनल प्रदर्शनी के बारे में बताती विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

ऐसे आधा दर्जन उदाहरणों के साथ भारत सोका गक्काई टीम ने आगरा में मानवाधिकार की अलख जगाने की शुरुआत की। सूरसदन में रविवार सुबह शुरू हुआ यह सिलसिला आगरा के स्कूलों में 21 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान लोगों को यह समझाया जाएगा कि किस तरह मानवाधिकार के दम पर जिंदगियों को बदलने में कामयाब हो जाएंगे।

मंच से वक्ताओं ने कहा कि मानवाधिकार शिक्षा से वह शक्ति मिलती है जो हमसे हमारी ही पहचान कराती है। हर व्यक्ति को यह अधिकार है कि उसे खुद से सम्बंधित मानवाधिकारों की जानकारी हो। मानवाधिकार उन मूल्यों, प्रवृत्तियों व व्यवहार के विकास को बढ़ावा देते हैं, जो जनतंत्र एवं कानून आधारित शासन की प्रक्रियाओं का आरम्भ करते हैं।

कार्यक्रम उद्घाटन को आई डीईआई की समाजशास्त्री डॉ. पूर्णिमा जैन ने कहा कि अपने प्रति मानवाधिकारों की जानकारी के साथ यह भी जरूरी है कि हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति अच्छा हो। अपनी सामाजिक, व्यावसायिक व पारीवारिक जिम्मेदारियों को निभाते समय अपने व्यवहार और कर्तव्य का खयाल रखना भी जरूरी है।

कार्यक्रम में सुमिता मेहता, मनीष बंसल, आनंद सूर्य नारायण, वीके कालरा, राजेश लाल, ज्योति लाल, सरिता रतन, रवि अग्रवाल, भारती टंडन, कर्नल मनोहर नायडू, देवेन्द्र डल, पूरन डावर, हरविजय वाहिया, सुशील गुप्ता, रंजीव कौचर, राजीव गुलाटी, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. अपर्णा पोद्दार, डॉ. पारुल अग्रवाल, दीक्षा आसवानी, कविता ओबरॉय, राहुल अग्रवाल, मोहित जगोटा, मयंक कत्याल, नीना कश्यूरिया, डॉ. विवेक पांडे, रजत भाकरी आदि मौजूद रहे।

पैनल लगाकर समझाया

प्रदर्शनी में लगे 25 पैनल मानवाधिकारों पर व्यापक चिंतन किया गया। समस्याओं के समाधानों पर प्रकाश डालने के लिए हर पैनल के साथ संस्था का एक सदस्य व्याख्या करने के लिए मौजूद था। बताया गया कि किस तरह सरकारी संस्थाओं के साथ गैर सरकारी संस्थाएं इसमें बेहतर भूमिका निभा सकती हैं। एक पैनल के सामने समझाया कि किस तरह 1990 में आस्ट्रेलिया में पुलिस और आम जनता के बीच बिल्कुल भी समन्वय नहीं था। आम लोग पुलिस के पास समस्या लेकर जाने से कतराते थे। पुलिस को ह्यूमन राइट्स की शिक्षा देने के बाद इस स्थिति में सुधार हुआ।

आज डीपीएस में प्रदर्शनी

16 अप्रैल को यह प्रदर्शनी दिल्ली पब्लिक स्कूल, शास्त्रीपुरम में सुबह 7.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगेगी। इसमें प्रशिक्षित बच्चे पैनलों के माध्यम से अपने साथियों को मानवाधिकार की जानकारी देंगे। अगले दिन 17 अप्रैल को होली पब्लिक स्कूल, कामायनी अस्पताल के सामने, 18 अप्रैल को वजीरपुरा रोड स्थित सेंट पैट्रिक जूनियर कॉलेज, 19 अप्रैल को चर्च रोड स्थित सेंट पॉल्स स्कूल, 20 अप्रैल को सेंट जॉर्जेज कॉलेज, बालूगंज, 21 अप्रैल को ब्रिल्यूड स्कूल, दयालबाग। इन सभी स्कूलों में प्रदर्शनी का समय सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक रहेगा।

दिखाई फिल्म

एक फिल्म दिखाकर संस्था के बारे में जानकारी देते हुए संदेश दिया गया कि व्यक्ति की खुशी तब तक पूरी नहीं होती जब तक कि उसमें दूसरे शामिल न हों। संस्था के मैन डिविजन, वुमैन डिविजन, यूथ डिविजन व फ्यूचर डिविजन के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। संचालन नेहा कक्कड़ ने किया।

जागरण

प्रदर्शनी से कराया मानव अधिकारों का परिचय

जासं, आगरा: प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल के बच्चों को बुधवार को मानव अधिकारों की शक्ति से प्रदर्शनी के माध्यम से परिचित कराया गया। प्रदर्शनी के आयोजन का मकसद छात्रों में आदर के प्रति जागरूकता, सहन शक्ति की भावना को व्यवहार में विकसित करना, मानव अधिकारों की जानकारी देना आदि था। बच्चों ने प्रदर्शनी से शोषण, हिंसा से मुक्त जीवन, अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखना, दैनिक जीवन की आवश्यकताओं जैसे भोजन, जल आदि की आपूर्ति के बारे में जाना। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.प्रियदर्शी नायक ने आज के युग में मानव अधिकार शिक्षा अनिवार्य रूप से सभी बच्चों को दी जानी चाहिए। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सुशील गुप्ता मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी का अवलोकन कई विद्यालयों के छात्रों ने किया।

प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल में आयोजित मानव अधिकार शिक्षा संबंधी प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद विद्यार्थियों को जानकारी देते स्कूल के प्रबंधक सुशील गुप्ता और अन्य • जागरण

पत्रिका

जीवन का परिवर्तन, मानव अधिकार, शिक्षा की शक्ति इंटरनेशनल एग्जीबिशन

राइट्स के लिए ड्यूटी फॉलो करना जरूरी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ग्वालियर ● मानव अधिकारों के लिए जागरुकता आवश्यक है। हमारे यूनिवर्सिटी में काफी कोर्सेस हैं जो डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, लॉयर और बड़ा अफसर बनाते हैं, लेकिन वह इंसान नहीं बनाते हैं। हमारे यहां स्किल डवलपमेंट का बहुत प्रोब्लम है। मूलभूत अधिकारों की बात करें तो ह्यूमन राइट्स एक ऐसी चीज है जो बहुत संवेदन शील है। राइट्स को फॉलो करने के लिए अपनी ड्यूटीस को भी फॉलो करना जरूरी है। यह बात कमिश्नर बीएम शर्मा ने कही। अवसर था जीवन का परिवर्तन, मानव अधिकार शिक्षा की शक्ति इंटरनेशनल एग्जीबिशन का, जिसका उद्घाटन रविवार को जीवाजी यूनिवर्सिटी के गालव सभागार में किया गया। इसका आयोजन जिनेवा की सोका गक्काई संस्था की भारत इकाई द्वारा किया जा रहा है। इस एग्जीबिशन में मानव अधिकार शिक्षा से प्रेरित 5 देशों के प्रतिनिधियों के जीवन परिवर्तन की मर्मस्पर्शी कहानियों का 25 पैनलों में संग्रह लगाया गया।

तुर्की- यहां पर इबरिम नाम की एक महिला की शादी उससे 15 साल बड़े व्यक्ति से करा दी जाती है। उसका पति बहुत अत्याचारी होता है जो उसको प्रोसी यहम पर भी बहुत मारता है,जिससे परेशान होकर वह माता-पिता से मदद मांगती है। मदद न मिलने पर वह पति से तलाक ले लेती है और घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाकर ह्यूमन राइट्स की आवाज उठाती है।

पेरू- यहां पर हेलगा बाजाव टीचर ने 8 स्टूडेंट्स के साथ मिलकर ह्यूमन राइट्स के लिए लड़ाई की और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उत्पीड़न, नुकसान, अत्याचार और अधिकारों के बारे में बताया।

बुर्किना फासो- यहां बूढ़ी औरतों को घर से बाहर यह कहकर निकाल दिया जाता था कि तुम चुड़ैल हो हमारे बच्चों को खा जाओगी। उनको एक पेड़ से बांध कर जला दिया जाता था। एमेस्टीन इंटरनेशनल एनजीओ ने हबीबो स्वाटगो लेडी को इससे गुजरते देखा तो लोगों को ह्यूमन राइट्स के लिए जागरूक किया। इससे 16 गांवों में महिलाओं को अत्याचार से बचाया जा सका।

ऑस्ट्रेलिया- यहां पर विक्टोरिया पुलिस और समाज में बहुत सारी प्रोब्लम आ गई थी जो धीरे-धीरे काफी हिंसक होती जा रही थीं। स्थिति सुधारने के लिए विक्टोरिया पुलिस ने ह्यूमन राइट्स बताने के लिए ट्रेनिंग दी, जिससे पुलिस ने अवेयरनेस और इनवेस्टीगेशन का तरीका समझा।

पुर्तगाल- यहां पर स्कूली शिक्षा का स्तर काफी खराब हो रहा था, क्योंकि पुर्तगाल के एक नामी स्कूल के बाहर दो समुदायों में काफी लड़ाई होती, जिसकी वजह से स्कूल के बच्चे भी हिंसक होते जा रहे थे। उनको ह्यूमन राइट्स के बारे में बता कर सभ्य बनाया गया। बाद में वह पुर्तगाल का सबसे अच्छा स्कूल बन गया।

इस आयोजन में ज्योती लाल महिला विंग प्रमुख बीएसजी, राजेश लाल उपप्रमुख पुरुष विंग बीएसजी, प्रो.प्रकाश सिंह बिसेन पूर्व कुलपति जीवाजी यूनिवर्सिटी, टीएन मनीष उपस्थित रहे।

पत्रिका

ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल में वर्कशॉप और एग्जीबिशन का आयोजन

स्टूडेंट्स ने समझे ह्यूमन राइट्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ग्वालियर ● ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल में 'मानव अधिकार शिक्षा की शक्ति' विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे ऑल इंडिया वुमन डिवीजन लीडर भारत सोका इकाई की ज्योति लाल उपस्थित रही। मुख्य अतिथि ने फ ीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अन्य अधिकारी तथा ग्वालियर चेप्टर के पदाधिकारी सहित विद्यालय के डॉयरेक्टर भी उपस्थित थी। स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने वर्तमान युग में मानव अधिकारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मानव अधिकार शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है तथा पूरे विश्व में यह विषय विद्यार्थियों को पढ़ाया

जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि मानव अधिकारों का किसी भी समाज और देश में इन मूल-भूत अधिकारों का हनन न हो।

13 स्कूल के स्टूडेंट्स ने लिया भाग : विद्यालय की इस प्रदर्शनी में विभिन्न माध्यमों से मानव अधिकारों की सूचना दी गई तथा उन अधिकारों के

लिए जो विश्व में संघर्ष किए जा रहे है, वह भी बताया गया। इस अवसर पर एक वृत्त-चित्र भी प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी पिछले वर्ष जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजित की गई तथा इस बार भारत में पहली बार आयोजित की जा रही है। जिसमें 13 विद्यालयों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानव अधिकारों के प्रति अधिक से अधिक जानकारी देना था।

ग्वालियर ग्लोरी में 'मानवाधिकार शिक्षा की शक्ति' पर लगी प्रदर्शनी

ग्वालियर | ग्वालियर ग्लोरी हाईस्कूल में मानवाधिकार शिक्षा की शक्ति पर प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें मुख्य अतिथि ऑल इंडिया वुमन डिवीजन लीडर ज्योति लाल रहीं। इसमें स्टूडेंट्स ने मानवाधिकारों की आवश्यकता के बारे में बताया। यह प्रदर्शनी पिछले साल जेनेवा में लगाई थी, इस बार यह ग्वालियर में लगाई गई है। इसमें 13 स्कूलों के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ग्वालियर चैप्टर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्रों को पढ़ाया मानवाधिकार का पाठ

आगरा। प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल में बुधवार को सोका गक्काई की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई। छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों की जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य डा. प्रियदर्शी नायक ने मानवाधिकार शिक्षा पर जोर दिया। श्रीराम सेंटेनियल स्कूल, एसएस कान्वेंट पब्लिक स्कूल, सुमित राहुल गोयल मेमोरियल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी देखी। प्रिल्यूड के निदेशक सुशील गुप्ता रहे।ब्यूरो

दायित्वों के पालन से ही होगी मानव अधिकारों की रक्षा: संभागायुक्त

सिटी रिपोर्टर | ग्वालियर

जब तक हम अपने दायित्वों का पालन नहीं करेंगे, तब तक दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा नहीं हो सकती। इसलिए जब-जब अधिकारों की बात हो, तब-तब दायित्वों की बात भी होना चाहिए। यह विचार संभाग आयुक्त बीएम शर्मा ने रविवार को जीवाजी यूनिवर्सिटी स्थित गालव सभागार में भारतीय संस्था सोका गक्काई (बीएसजी) द्वारा आयोजित मानवाधिकार जागरूकता प्रदर्शनी के शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में राज्यपाल का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि मनुष्य भी अन्य प्राणियों की तरह एक सामान्य प्राणी होता है। शिक्षा ही उसे मनुष्य बनाती है। अशिक्षित व्यक्ति अपने अधिकार प्राप्त नहीं कर सकता। इस दिशा में सोका गक्काई संस्था द्वारा मानवाधिकार शिक्षा के रूप में सराहनीय पहल की गई है। उन्होंने कहा मूलभूत अधिकारों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ इनके प्रति संवेदनशील और सजग रहने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता एवं स्वछंदता के बीच बारीक लकीर होती है। इसे भी समझने की जरूरत है।

पूर्व कुलपति डॉ. प्रकाश सिंह बिसेन ने कहा कि डिग्री प्राप्त कर विद्यार्थी केवल विशेष विधा में कारोबारी दृष्टि से पारंगत होते हैं। मानवाधिकारों के मद्देनजर केवल इस प्रकार की शिक्षा पर्याप्त नहीं है। शिक्षा ऐसी हो जिससे विद्यार्थी दूसरों के अधिकारों के प्रति भी संवेदनशील बनें।

इस अवसर पर संस्था से जुड़े विद्यार्थियों द्वारा महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। साथ ही संस्था के कार्यों पर केन्द्रित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में बीएसजी की महिला इकाई की प्रमुख आगरा से आईं ज्योति लाल एवं संस्था से जुड़े डिप्टी जीएम राजेश लाल मंचासीन थे।

DainikBhaskar.com

लिटिल एंजिल्स हाईस्कूल में लगी मानवाधिकार विषय पर प्रदर्शनी

ग्वालियर | लिटिल एंजिल्स हाईस्कूल में मंगलवार को मानवाधिकार विषय पर प्रदर्शनी लगाई गई। भारत सोका गक्काई संस्था की पहल पर लगी प्रदर्शनी में जिनेवा से भारत आए 25 विभिन्न पोस्टर प्रदर्शन किए गए हैं। इस दौरान स्टूडेंट्स मानवाधिकार शिक्षा, कर्तव्य, अधिकार के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य शबाना रेहान, कर्नल मनोहर नायडू, संजय कुलश्रेष्ठ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्वालियर | भारत सोका गक्काई संस्था की ओर से महाराजपुरा स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर मानवाधिकार शिक्षा पर प्रदर्शनी लगाई गई। संस्था अध्यक्ष समीना हिलाल ने इसका शुभारंभ किया। इसमें एयरफोर्स अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा एयरफोर्स स्कूल, आर्मी स्कूल सहित अन्य स्कूल के स्टूडेंट्स पहुंचे। इस अवसर पर मनोहर नायडू, विंग कमांडर आयुष तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।